

ਭਿਆਨਤ ਕਰਨੇ ਵਾਲੇ ਕਾ ਹਸ਼ਾਰ

ਸੰਪਾਦਕ- ਮੌਲਾਨਾ ਜਲੀਲ ਅਹਸਨ ਨਦਵੀ ਰਹ.

■ ਰਾਹੇ ਅਮਲ ਹਿੰਦੀ ਸੇ ਲਿਖਿਆਨ੍ਤਰਾ ਕਿਆ ਹੈ.



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

رسووللّٰہ ﷺ نے ہمارے بلیج چوٹیا دیا جسمے مالے
گنیمت کی یوری کے مسالے کو بڈی اہمیت کے ساتھ پेश
کیا فیر آپ نے فرمایا، مےں تومے سے کسی کو کيامت کے
دين ٲس हाल مےں نہی ٲےچو کی ٲسکی गरदन पर ٲٹ है जो
जोर से बिलबिला रहा है, और वो शप्स कह रहा है की अے
अल्लाह के رسول! मेरी मदद फरमाअے (ٲस गुनाह के वबाल
से बचाअے) तो मےं कहूं मےं तेरी कुछ भी मदद नहीं कर सकता
मےंने तो तुअے दुनिया मےं ये बात पहुंया दी थी.

मےं तومے से किसी को कيامत के दिन ٲस हाल मےं نہी ٲेचो की
ٲसकी गरदन पर कोई घोडा है जो हिनहिना रहा है और वो
शप्स कह रहा है की अے अल्लाह के رسول मेरी मदद को
दौडिये, तो मےं कहूं मےं तेरे लिअे कुछ भी नहीं कर सकता मےंने
तो तुअे दुनिया मےं ये बात पहुंया दी थी.

में तुम्मे से किसी को क्यामत के दिन एस हाल
में नहीं देखू की उसकी गरदन पर कोई बकरी
सवार है और वो भिमया रही हो और ये कह
रहा है ओ अल्लाह के रसूल! मेरी मदद
कीजिये तो मैं उसकी इरियाद के जवाब में कहूँ मैं यहा तेरे
लिखे कुछ नहीं कर सकता मैंने तो तुम्हे दुनिया में अहकाम
पहुंचा दिया था.



में तुम्मे से किसी को क्यामत के दिन एस हाल में नहीं देखू की
उसकी गरदन पर कोई आदमी सवार है और वो भीज रहा
है और ये शप्स कह रहा है ओ अल्लाह के रसूल! मेरी मदद
को पहुंचिये, तो मैं उसके जवाब में कहूँ मैं यहा तेरे लिखे कुछ
नहीं कर सकता, मैंने तो तुम्हे दुनिया में बात पहुंचा दी थी.
में तुम्मे से किसी को क्यामत के दिन एस हाल में नहीं देखू की
उसकी गरदन पर कपडे के टुकडे लहरा रहे है और वो कह
रहा है ओ अल्लाह के रसूल! मेरी मदद इरमाये तो मैं उसके
जवाब में कहूँ मैं तेरे लिखे कुछ नहीं कर सकता, मैंने तो तुम्हे
दुनिया में बात पहुंचा दी थी.

में तुम्हें से किसी को क्यामत के दिन इस हाल में नहीं देखू की उसकी गरदन पर सोना-चाँदी सवार है और वो कह रहा है अल्लाह के रसूल! मेरी मदद फ़रमाओ तो मैं



उसके जवाब में कहूँ मैं तेरे गुनाह की सज़ा को ज़रा भी नहीं हटा सकता, मैंने तो तुझे दुनिया में बात पहुँचा दी थी।

जुलासा : जानवरों के बोलने और कपड़े के लेहराने का मतलब ये है की माले गनीमत की ये चोरियां क्यामत के दिन छुपाई ना जा सकेगी, हर गुनाह यीज-यीज कर बताओगा और उसके मुजरिम होने का ऐलान करेगा, मालूम रहे की ये सिर्फ़ माले गनीमत की चोरी के साथ जास नहीं है हर बड़े गुनाह का यही हाल होगा।

—रिवायत बुखारी मुस्लिम का जुलासा | अबू हुरैरा रही.

अल्लाह उस बुरे अंजाम से हर मुसलमान को बचाओ और बुरा पक़्त आने से पहले तौबा की तौफ़ीक़ हो.